देहरादून (उत्तराखण्ड)
शुक्रवार 23.01.2026
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- केंद्र सरकार ने इस वर्ष पहली अप्रैल से शुरू होने वाली जनगणना के पहले चरण में नागरिकों से पूछे जाने वाले प्रश्नों की सूची जारी की।
- कृषि मंत्री गणेश जोशी ने प्रदेश में बारिश न होने से फसलों को हो रहे नुकसान की जिलेवार सर्वे रिपोर्ट शीघ्र देने के निर्देश दिए।
- रामनगर के कोसी बैराज और कार्बेट लैंडस्केप, प्रवासी पक्षियों से गुलजार।
- प्रदेश के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी और निचले हिस्सों में हल्की बारिश होने से तापमान में आई गिरावट।

जनगणना प्रश्न सूची

केंद्र सरकार ने जनगणना के पहले चरण के दौरान नागरिकों से पूछे जाने वाले 33 प्रश्नों की सूची जारी कर दी है। यह चरण एक अप्रैल से शुरू हो होगा। पहले चरण में घरों की सूची तैयार की जाएगी, जिसके लिए प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश की ओर से निर्धारित 30 दिन की अवधि में अभियान चलाया जाएगा। यह चरण 30 सितंबर तक जारी रहेगा।

कृषि मंत्री

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने प्रदेश में बारिश न होने से फसलों को हो रहे नुकसान के सही आंकड़े न देने पर कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत देते हुए जिलेवार सर्वे कर नुकसान के आकलन की रिपोर्ट शीघ्र देने के निर्देश दिए। श्री जोशी ने देहरादून में कृषि व उद्यान विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर बारिश न होने से फसलों को हो रहे नुकसान की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि किसानों से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कृषि मंत्री ने कहा कि अगर सर्वेक्षण और रिपोर्टिंग में कोताही पाई गई, तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नारी निकेतन

देहरादून जिला प्रशासन, केदारपुरम क्षेत्र में स्थित राजकीय नारी निकेतन, बालिका निकेतन, बाल गृह एवं शिशु सदन का कायाकल्प करने में जुटा हुआ है। जिलाधिकारी सविन बंसल के सतत प्रयासों से बुजुर्ग महिलाओं के लिए 30 बेड का अतिरिक्त भवन लगभग तैयार हो चुका है। वर्तमान में नारी निकेतन में एक सौ अठहत्तर बेसहारा और शोषित महिलाएं निवासरत हैं। जिला प्रोबेशन अधिकारी मीना बिष्ट ने बताया

कि बालिका निकेतन में बच्चों को शैक्षणिक ज्ञान के साथ ही कम्प्यूटर की शिक्षा दी जा रही है। वहीं, नारी निकेतन की महिलाओं को क्राफ्ट डिज़ाइन, ऊनी वस्त्रों की कढ़ाई–बुनाई और सिलाई जैसे आजीविकापरक प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं।

बर्ड फेस्टिवल

पौड़ी गढ़वाल में कोटद्वार के सनेह क्षेत्र में आगामीर 31 जनवरी से दो दिवसीय बर्ड फेस्टिवल आयोजित किया जा रहा है। इसकी तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने जिला कार्यालय में संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने बर्ड फेस्टिवल के दौरान कार्यक्रम स्थल पर बर्ड वॉचिंग से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान बर्ड वॉचिंग के लिए 12 नेचर ट्रेल्स विकसित की जाएंगी, जिनके माध्यम से प्रतिभागी, प्राकृतिक वातावरण में विभिन्न पक्षी प्रजातियों को नजदीक से देख सकेंगे। इसके साथ ही स्कूली बच्चों और युवाओं के लिए बर्ड क्विज प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा, ताकि उनमें पर्यावरण और जैव विविधता के प्रति जागरूकता बढ़ सके। जिलाधिकारी ने बर्ड फेस्टिवल में स्कूली बच्चों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए।

वॉटरबर्ड सेंसस

नैनीताल जिले में रामनगर के कोसी बैराज और कॉर्बेट लैंडस्केप से गुजरने वाली कोसी नदी में इस साल प्रवासी पक्षियों की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। एशियाई जलपक्षी गणना– 2026 के नतीजों में सुर्खाब यानी रूडी शेलडक की संख्या में अच्छी खासी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। 18 जनवरी से शुरू हुए इस वैश्विक अभियान के तहत रामनगर के कोसी बैराज में गणना की गई। यह अभियान 40वीं एशियाई जलपक्षी गणना और 60वीं अंतर्राष्ट्रीय जलपक्षी गणना का हिस्सा था। इस कार्य में पक्षी प्रेमियों, छात्रों, स्वयं सेवकों और वन विभाग के कर्मचारियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। गणना में सक्रिय विशेषज्ञ दीप मलकानी ने बताया कि कोसी नदी और इसके आसपास का क्षेत्र प्रवासी जलपक्षियों के लिए एक सुरक्षित और महत्वपूर्ण विंटरिंग स्थल बना हुआ है।

वहीं, हल्द्वानी वन प्रभाग के प्रभागीय वनाधिकारी कुंदन कुमार ने इसे बहुत अच्छा संकेत बताया। उन्होंने कहा कि इससे पता चलता है कि कोसी नदी का पर्यावरण अभी भी इन खूबसूरत प्रवासी पक्षियों के लिए अनुकूल बना हुआ है।

मौसम/बर्फबारी

प्रदेश के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी और निचले हिस्सों में बूंदा–बांदी होने से तापमान में गिरावट आई है। उत्तरकाशी जिले में गंगोत्री धाम और हर्षिल घाटी सहित आस–पास के इलाकों में बर्फबारी होने से ठिठुरन बढ़ गई है। रुद्रप्रयाग जिले में स्थित केदारनाथ धाम, त्रियुगीनारायण और अन्य निचले इलाकों में भी हल्की बर्फबारी हो रही है। वहीं, राजधानी देहरादून में हल्की बारिश होने से ठंड बढ़ गई है। अल्मोड़ा और बागेश्वर सहित राज्य के अन्य जिलों में बादल छाए हैं। इस बीच, मौसम विभाग ने प्रदेश के पर्वतीय जिलों के अधिकांश स्थानों में दो हजार तीन सौ मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई है। विभाग ने उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों के ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बर्फबारी और बारिश का ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है।

परिवहन व्यवस्था

प्रदेश में आधुनिक और पर्यावरण–अनुकूल शहरी परिवहन व्यवस्था विकसित करने की दिशा में सरकार लगातार काम कर रही है। इसी क्रम में देहरादून सहित प्रमुख शहरों में इलेक्ट्रिक बस रैपिड ट्रांजिट, ई–बीआरटी और रोपवे परियोजनाओं की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। सचिवालय में आवास सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार की अध्यक्षता में उत्तराखंड मेट्रो रेल कॉरपोरेशन की समीक्षा बैठक में शहरी परिवहन से जुड़ी विभिन्न परियोजनाओं पर चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि देहरादून शहर में दो प्रमुख कॉरिडोरों पर ई–बीआरटी परियोजना लागू करने के लिए उत्तराखंड मेट्रो रेल, शहरी अवस्थापना एवं भवन निर्माण निगम लिमिटेड–यूकेएमआरसी से सैद्धांतिक सहमति मिल चुकी है। इसके लिए आवश्यक अध्ययन कराने के निर्देश दिए गए हैं और अध्ययन पूरा होने के बाद प्रस्ताव को कैबिनेट के सामने रखा जाएगा। आवास सचिव ने कहा कि बढ़ते यातायात दबाव और जाम की समस्या को देखते हुए ई–बीआरटी जैसी व्यवस्था की जरूरत है, जिससे आम लोगों को तेज, सुरक्षित और किफायती परिवहन सुविधा मिल सके। बैठक में भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक परिवहन योजना तैयार करने पर जोर दिया गया।